BGGCT-132

# सत्रीय कार्य पुस्तिका

## विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एस.सी.)
## में
## मूल (कोर) पाठ्यक्रम
### मानव भूगोल

1 जनवरी, 2023 से 31 दिसम्बर, 2023 तक वैध


विज्ञान विज्ञापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110068
(2023)

प्रिय विद्यार्थी,

सत्रीय कार्य को हल करने की शुरुआत करने से पहले, आपको वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य अनुभाग को पढ़ना होगा, जो हमने आपके नामांकन के बाद आपको भेजे हैं। सत्रीय कार्य घटक के लिए, निरंतर मूल्यांकन के एक भाग के रूप में 30 प्रतिशत का भार निर्धारित किया गया है। इसमें इस पाठ्यक्रम के लिए एक अनुशिक्षक–चिह्नित कार्य शामिल है। हम इस पुस्तिका में तीन भागों–भाग ए, भाग बी और भाग सी को मिलाकर कार्य प्रदान कर रहे हैं। तीनों भागों के लिए कुल अंक 100 हैं। 100 अंकों में से, आपको सत्रीय कार्य घटक को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कम से कम 35 % अंकों या 35 अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।

## सत्रीय कार्य के संरूपण से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य को हल करने से पहले, कृपया नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका में पहले पृष्ठ के शीर्ष भाग पर, नीचे दिए गए प्रारूप में अपना विवरण ठीक से लिखें।

---

नामांकन संख्या : ..............................

नाम : ..............................

पता : ..............................

..............................

पाठ्यक्रम कोड : ................................

पाठ्यक्रम शीर्षक : ................................

सत्रीय कार्य कोड : ................................

अध्ययन केंद्र : ................................ दिनांक : ..........................

---

**(नोटः देरी से बचने के लिए समय पर मूल्यांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने हेतू इस निर्दिष्ट प्रारूप का पालन करना अनिवार्य है)।**

2) अपने उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप आकार के लेखन कागज का उपयोग करें (यह बहुत पतली किस्म और खराब गुणवत्ता का नहीं होना चाहिए)।
3) अपनी उत्तर पुस्तिका के बाएं, ऊपर और नीचे 4 सेंटीमीटर का अंतर छोड़ें।
4) आपके उत्तर सटीक होना चाहिए।
5) इस सत्रीय कार्य के भाग ए, भाग बी और भाग सी में दिए गए प्रत्येक प्रश्न को अलग–अलग पूरा करें और इन सभी को एक साथ जमा करें।
6) निर्धारित उत्तर तिथि के भीतर सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाएं आपको अध्ययन केंद्र में जमा करवानी हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह सुझाव दिया जाता है कि आपको सभी जमा किए गए सत्रीय कार्य की अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की एक प्रतिकृति कॉपी रखनी चाहिए।
7) यह सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2023 से 31 दिसंबर, 2023 तक मान्य है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में असफल रहते हैं या इसे 31 दिसंबर, 2023 तक जमा करने में असफल रहते हैं, तो आपको अगले साल 2024 के लिए नया सत्रीय कार्य अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा, और इसे कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार जमा करना होगा।
8) आप सत्रीय कार्य को जमा किए बिना इस पाठ्यक्रम के लिए सत्रांत / अंतिम परीक्षा में उपस्थित होने के लिए परीक्षा फॉर्म नहीं भर सकते। किसी भी अन्य प्रश्नों के लिए, कृपया पाठ्यक्रम समन्वयक से दिए गए ईमेल पर संपर्क करें: subhakanta@ignou.ac.in/ vijaybaraik@ignou.ac.in।

हम आपको आपके स्नातक कार्यक्रम के इस भाग के सफल समापन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

# सत्रीय कार्य
# (अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)
# मानव भूगोल

पाठ्यक्रम कोडः **BGCCT-132**
सत्रीय कार्य कोडः **BGCCT -132/TMA/2023**
अधिकतम अंकः **100**

---

## भाग–ए

**सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।**

1. मानव भूगोल को परिभाषित कीजिए तथा इसकी प्रकृति एवं परिप्रेक्ष्य को विस्तार से बताइए।
2. मानव भूगोल की प्रमुख अवधारणाओं की विस्तार से चर्चा कीजिए।
3. प्रगतिशील और प्रतिगामी जनसंख्या पिरामिडों में अंतर करते हुए जनसंख्या पिरामिड की व्याख्या कीजिए।
4. ग्रामीण बस्तियों की आकृति विज्ञान और प्रतिरूपों की चर्चा कीजिए।
5. विभिन्न चरणों में शहरीकरण की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा कीजिए।

## भाग–बी

**सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।**

1. बारहमासी एकल क्षेत्रों, पृथकीकृत क्षेत्रों और सापेक्ष पृथकीकृत क्षेत्रों (अर्ध बारहमासी एकल क्षेत्र) पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्र और क्षेत्र गठन की व्याख्या करें।
2. उदाहरण सहित प्रवास के निर्धारकों की चर्चा कीजिए।
3. जनसंख्या–संसाधन संबंध पर विस्तृत विवरण लिखें।

## भाग–सी

**निम्नलिखित पर लघु/संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक के हैं।**

क) नियतिवाद और सम्भववाद
ख) मानव–पर्यावरण संबंधों में संतुलन
ग) धार्मिक संलयन
घ) जनसंख्या वृद्धि का सिद्धांत
ड) निर्भरता अनुपात और वृद्धोन्मुखता
च) त्रिकोणीय दास व्यापार